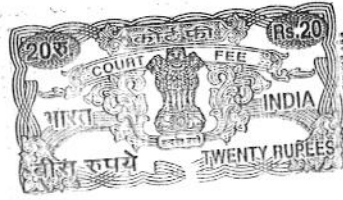


98



न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश, ग्वा बियर

प्रकरण क्रमांक

12056 निगरानी

R-3865-11/16

बालबिहारी गेहर, पुत्र लोटसे रैहर,  
निवासी ग्राम पीतामपुरा (जूर) तैहरी  
कौलारस जिला शिवपुरी-मध्यप्रदेश।

----- प्राची

बिराध्व

छू पुत्र रैरु रैहरिया, निवासी ग्राम गूडा,  
तैहरी कौलारस, जिला शिवपुरी-मध्यप्रदेश।

----- प्रतिप्राची

दिनांक 15-11-16 को  
श्री जसवंत कंठ कावसमी  
कागिच द्वारा प्रस्तुत।

बस  
15-11-16

523  
15-11-16

24/3/16  
9/11/16

निगरानी बिराध्व आदेश एवं कार्यवाही तैहरी कौलारस जिला शिवपुरी दिनांकी 28-10-16, अन्तर्गत धारा 10-  
मध्यप्रदेश मू-राजस्व संहिता, 1898 सम्पत्ति धारा 1 प्रोवुओ प्रो  
15-16-बी-121 ।

श्रीमान् जी,

प्राथमिक पत्र निम्न आधारों पर प्रस्तुत है :-

- 1- यह कि, अधीनस्थ न्यायालय द्वारा प्रकरण में की जा रही कार्यवाही कानूनन गही नहीं है।
- 2- यह कि, अधीनस्थ न्यायालय ने प्रकरण के स्वल्प एवं वानुषी स्थिति को सही नहीं समझा है।
- 3- यह कि, जब अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष यह तथ्य स्पष्ट रूप से आ चुका है कि अपर आयुक्त महोदय के प्रोवुओ प्रो 15-16-बी-121 अर्जी में पारित आदेश दिनांकी 28-10-16 के विरुद्ध वर्तमान में माननीय इस न्यायालय में निगरानी प्रोवुओ प्रो 15-16-बी-121 के रूप में विचारधीन होकर लम्बित है, तथा इस माननीय माननीय न्यायालय द्वारा अभिलेख एवं पत्राचार आदि जाने के आदेश दिये गये हैं, ऐसी स्थिति में अपर आयुक्त महोदय का आदेश दिनांक 28-10-16 अर्जी अंतिम नहीं हुआ है, निम्न

क्रमः-2

न्यायालय राजस्व मण्डल, म० प्र०, ग्वालियर  
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक-निग./3866/दो/2016

जिला शिवपुरी

बालकिशन सेहर विरुद्ध लटू

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं अभिभावकों  
आदि के हस्ताक्षर


स्थान तथा  
दिनांक

17/6/19

प्रकरण आज लिया गया। आवेदक द्वारा यह निगरानी तहसीलदार कोलारस, जिला शिवपुरी के प्रकरण क्रमांक-501/2015-16/बी-121 में पारित आदेश दिनांक 23/10/2016 विरुद्ध प्रस्तुत की गई है। म०प्र० भू-राजस्व संहिता 1959 में दिनांक 25-9-2018 को हुए नवीन संशोधन के फलस्वरूप संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अंतर्गत यह निगरानी सुनवाई हेतु प्रकरण कलेक्टर जिला शिवपुरी के न्यायालय को अंतरित किया जाता है।

2/ पक्षकार दिनांक 06/8/19 को कलेक्टर जिला शिवपुरी के न्यायालय में सुनवाई हेतु उपस्थित हों।

3

  
(आर०के० जेम) 17/6/19

सदस्य